दैनिक पंचांग

28 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.51 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृष	08.31 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.29 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.42 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.58 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	17.10 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	19.21 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.36 बजे से
केतु	कन्या में	धनु	23.52 बजे से
		मकर	01.57 बजे से
राहुकाल		कुंभ	03.43 बजे से
10.30 से 12.00 बजे तक		मीन	05.16 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	06.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय को मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार सही देखें। at Jagrutidaur.com, Bangalore

शुक्रवार	2025 वर्ष का 87 वा दिन
दिशाशूल	पश्चिम ऋतु वसंत।
विक्रम संवत्	2081 शक संवत् 1946
मास	चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) पक्ष कृष्ण
तिथि	चतुर्दशी 19.56 बजे को समाप्त।
नक्षत्र	पूर्वाभाद्रपदा 22.10 बजे को समाप्त। योग शुभ 05.57 बजे तदनन्तर शुक्ल(शुक्ल)02.07 बजे रात्रि को समाप्त। करण विष्टि 09.33 बजे तदनन्तर शकुनि 19.56 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु	24.0 घण्टे
रवि क्रान्ति	उत्तर 03°00'
सूर्य उत्तरायन	कलि अहर्गण 1872297
जूलियन दिन	2460762.5
कलियुग संवत्	5125
कल्पारंभ संवत्	1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्	1955885123
वीरनिर्वाण संवत्	2551
हिजरी सन्	1446
महीना	रमजान
तारीख	27

नील गगन के नक्षत्र

1	3	7	8
137	247	250	125
290	670	359	233
399	689	566	990

दिन-890-289
मधुर डे-257-360 मधुर नाइट-
मिलन डे-160-380 मिलन नाइट-

भविष्यफल

आज जन्म लिए बालक का फल.....

शुभ संवत 2081, शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, चैत्र कृष्ण पक्ष, वसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पश्चिम तिथि चतुर्दशी, शुक्रवासरे, पूर्वा भाद्र पद नक्षत्रे, शुक्ल योगे, विष करणे, कुंभ की चंद्रमा, भद्रा 3/57 जातकर्म, नामाकरण, वाहन क्रय विक्रय तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ व उत्तम होगी।

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चंचल, चतुर, स्वाभिमानी, कुशलवक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, जिद्दी-हठी, कम्प्यूटर इंजीनियर, बैंक कर्मचारी होगा।

मेष राशि : स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास, अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा, मनोनुकूल कार्य बना लेवें।

वृष राशि : योजनाएं फलीभूत हों, शुभ समाचार संभव बनेंगे, रुके कार्य बन ही जाएंगे।

मिथुन राशि : धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे।

कर्क राशि : कार्य-व्यवस्था की चिन्ता बनी ही रहेगी, प्रयास करने से लाभ होगा।

सिंह राशि : भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, कार्यगति उत्तम, सुख के साधन अवश्य बनेंगे।

कन्या राशि : अर्थिक योजना पूर्ण हो, समय पर सोचे कार्य पूर्ण होंगे, रुके कार्य बन ही जायेंगे।

तुला राशि : पारिवारिक बाधायें परेशान करेंगी, विरोधी तत्व कष्टप्रद रखें, ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि : मानसिक बेचैनी, उद्विघ्नता से बचें तथा समय से लाभांवित होंगे।

धनु राशि : कुटुम्ब की समस्याएं कष्टप्रद हों तथा व्यर्थ भ्रमण में व्यय होगा।

मकर राशि : योजनाएं फलीभूत हो, सफलता के साधन जुटायें तथा कार्य बनें, ध्यान रखें।

कुंभ राशि : स्वभाव में खिन्नता, मानसिक बेचैनी तथा मानसिक कष्ट के साथ शरीर पीड़ा।

मीन राशि : तनाव-क्लेश व

शुक्रवार की रात अगर कर लिया यह काम तो कभी नहीं हो सकती है पैसों की कमी

ज्योतिष शास्त्र में मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए और धन लाभ के लिए कुछ खास उपाय बताए गए हैं। मान्यता है कि इन उपायों को करने से आर्थिक संपन्नता बनी रहती है। तो चलिए जानते हैं इन खास उपायों के बारे में।

हिंदू धर्म में शुक्रवार का दिन बहुत खास माना जाता है क्योंकि इस दिन खासतौर पर धन की देवी माता लक्ष्मी की पूजा होती है। इसके साथ ही शुक्रवार का दिन शुक्र देव की भी समर्पित होता है। ज्योतिष में शुक्र देव को सुख-सुविधाओं, ऐश्वर्य और सुंदरता का कारक माना जाता है। मान्यता है कि इनकी पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है। माता लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए और सुखी जीवन के लिए ज्योतिष शास्त्र में कुछ खास उपाय बताए गए हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इन उपायों को शुक्रवार की रात को चुपचाप करने से धन की कमी कभी नहीं होती और जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

शुक्रवार के उपाय

माता लक्ष्मी के आठ स्वरूप की करें पूजा : ज्योतिष की मानें तो शुक्रवार की मध्यरात्रि को अष्टलक्ष्मी (माता लक्ष्मी के आठ स्वरूप) की पूजा अवश्य करें और उन्हें गुलाब के फूल अर्पित करें। पूजा के बाद कनकधारा स्तोत्र का पाठ करें। फिर देवी को खीर का भोग लगाएं। मान्यता है कि ऐसा करने से घर में धन और समृद्धि का वास होता है।

माता लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए- शुक्रवार की रात में गुलाबी कपड़े पहनकर माता लक्ष्मी के सामने बैठें। इसके बाद इस मंत्र का जाप करें। मंत्र है ॐ 'ऐं ह्रीं श्रीं अष्टलक्ष्मीयै ह्रीं सिद्धये मम गृहे आगच्छागच्छ नमः स्वाहा' इस मंत्र का 108 बार जप करें। साथ ही श्री लक्ष्मी सूक्त का पाठ भी करें। मान्यता है कि ऐसा करने से माता लक्ष्मी की कृपा बरसती है और धन की समस्याएं खत्म हो जाती हैं।

धन लाभ के लिए : शुक्रवार के दिन सूर्यास्त के बाद स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनकर माता लक्ष्मी के सामने एक घी का दीपक जलाएं। इसके बाद एक डिब्बे में नमक भरकर उसे लाल कपड़े पर रखें और माता लक्ष्मी के बीज मंत्र 'ऊँ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ऊँ महालक्ष्मी नमः' का 1001 बार जप करें। जप के बाद नमक के डिब्बे में एक लौंग डाल दें और इस उपाय को 10 शुक्रवार तक करें। फिर डिब्बे को धन रखने की जगह पर रखें। इससे माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और जीवन में धन की कमी नहीं होती।

शुक्र ग्रह मजबूत करने के लिए : शुक्रवार के दिन शिवलिंग पर कच्चा दूध चढ़ाएं और वीनी का दान करें। साथ ही किसी कन्या को सफेद मिठाई खिलाएं। मान्यता है कि ऐसा करने से कुंडली में शुक्र ग्रह मजबूत होता है, जिससे जीवन में सुख-सुविधाएं बढ़ती हैं और करियर में तरक्की के योग बनते हैं।

धन-वैभव के लिए : शुक्रवार की रात अष्टलक्ष्मी की पूजा के साथ श्रीयंत्र की भी पूजा करें। इस दिन 8 दीपक जलाएं और गुलाब की सुगंध वाली धूपबत्ती जलाकर सफेद मिठाई का भोग लगाएं। फिर कमल गट्टे की माला से 108 बार इस मंत्र का जप करें। मंत्र इस प्रकार है 'ऐं ह्रीं श्रीं अष्टलक्ष्मीयै ह्रीं सिद्धये मम गृहे आगच्छागच्छ नमः स्वाहा।' मान्यता है कि ऐसा करने से घर में धन-वैभव और ऐश्वर्य बढ़ता है।

गुरु महेश जैन, इंटरनेशनल ज्योतिषाचार्य अनुष्ठानकर्ता, राणापुर जिला झाबुआ मध्यप्रदेश, 7000098868 9425188009

सतपुड़ा की पहाड़िया कब होगी हरी-भरी

इसकी क्या योजना है, शासन करेगा या ठेका पद्धति से होगी

बड़वानी। नगर में जनचर्चा है कि सन 2000 एवं इसके पूर्व बड़वानी जिले में घने वन थे जिसमें शहर के पाटी नाके से बावनगजा, पाटी, बोकराटा जाना बड़ा दुर्लभ हो जाता था। शहर के पाटी नाके पर शाम के 5 बजे बाद कोई भी व्यक्ति नहीं जा सकता था। शाम होते ही अंधेरे में शेर, चिते, तेंदुएं की आवाजे आती थ तथा बड़वानी से पाटी जाने हेतु मात्र 4 से 5 बसें दिन भर में आवाजाही करती थ। सिंगल रोड़ और घने वनों के कारण शाम 4 बजे पाटी से बड़वानी की आखिरी बस थी।

सन 2000 के बाद शहर के जंगलों को ऐसा ग्रहण लगा कि लकड़ी माफिया वन विभाग की सेटिंग एवं जंगल में आग लगाना जिसमें इन तस्करों का वन विभाग की सेटिंग चलती थी। बड़वानी से बोकराटा तक के घन वनों को नंदगी पहाड़ियों में परिवर्तन कर राजनैताओं द्वारा उन्हें वन अधिकार के पट्टे दे दिए। वोट के खातीर, जिससे पहाड़ियों को खोदकर यहां तक की जलाऊ लकड़ी के रूप में इमारती लकड़ियों का व्यापार फल-फूल रहा। यहां से इंदौर, महाराष्ट्र, गुजरात तक इमारती लकड़ियों की सिप्रियां जाती थी। साथ ही लकड़ी चोर, सोफे, पलंग अलमारियां बनाकर खुलेआम ट्रकों से बाहर भेजते थे। आज भी वन विभाग का अगर सन 90 के पर्व का रेकार्ड उठाकर देखा जाए, तो कई लकड़ियों की बरामदगी के केस बने हैं। लेकिन सन 90 के बाद लकडिया पकडने के केस क्यों नहीं बन रहे हैं। क्योंकि पूर्व से ही पेड़ की जड़ तक बेच दी है। लकड़ी वालों ने अब तो सिर्फ सतपुड़ा की पहाड़ियों पर पत्थर के ढेर हैं। वहीं ढेरों को लोगों ने हटा कर बड़े-बड़े खेत बना लिए हैं। जो आज भी जांच का विषय है।अगर सरकार चाहे, तो कृषकों की जानकारी निकाले कि ये सतपुड़ा की पहाड़ियों पर खेत कहां से आए, यहां के जंगल कहां गए। सभी पता चल जाएगा। वहीं पहाड़ियों पर लकड़ी सागवान के मकान कहां से आए। किससे लकड़ी खरीदी इसके बिल वाउचर मांगे जाए, तो पता चलेगा कि लकड़ी कहां की है। इस क्षेत्र में सलाई गोंद, चारोली, गुगल पूर्व में प्रचर मात्रा में मिलता था, लेकिन वन विभाग के भ्रष्ट रेंजर द्वारा पेड़ों को खुलेआम कटवा दिए थे। क्योंकि उस समय पेड़ के पेड़ बिकते थे।

इसमें क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों का भी सहयोग था। क्योंकि वोट की राजनैतिक ऐसी चली कि क्षेत्र की पूरी सतपुड़ा पहाड़ियां आज नंगी पहाड़ियां हो गई हैं। लेकिन इन पहाड़ियों का वन विभाग के पास हरा-भरा करने का कोई प्लान न हैं है और जो है उसमें काफी पैसा लगेगा। क्योंकि क्षेत्र में वन विहिन पहाड़ियों पर अब सिर्फ बरसात में हरा चारा और गरमी में सूखी घास मिलती है। क्षेत्र के बड़े बुजुर्गों का कहना है कि पानी रोको अभियान बरसात से ही चलाना चाहिए। वहीं पहाड़ियों के छोटे-छोटे नालों को रोकर बड़े तालाबों का निर्माण करना चाहिए। साथ ही थेड़े जंगल बनाए, लेकिन ड्रिप पद्धति से बनाए जैसे बड़वानी के कलेक्टर कार्यालय की पहाड़ियों में ड्रिप पद्धति से पहाड़ियों को हरा-भरा करें।

साथ ही पानी को रोके, जिससे यहां पर पानी मिलने से कुछ ही वर्षों में ये पहाड़ियां हरी-भरी हो सकती हैं। कुछ पहाड़ियों को सामाजिक संगठन एवं एनजीओ या जनप्रतिधियों को लीज पर देवे। जिससे वे अच्छे ऊंचे वृक्ष का संरक्षण करें और उससे जो आय हो उसको अपने एनजीओ या सामाजिक संस्थाएं उनका उपयोग कर दूसरी पहाड़ियों को गोद ले। क्षेत्र में वन विभाग द्वारा कुछ पहाड़ियों पर आगामी वर्षाकाल हेतु गड्ढे खोदे हैं, लेकिन वहीं भी मापदण्ड के अनुसार नहीं हैं। वन विभाग को चाहिए कि सतपुड़ा की पहाड़ियों को हराभरा करने के लिए जन सहयोग के साथ जन चेतना भी होती चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा हर वनमंडल में एक करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा था, जिसके लिए पर्याप्त फंड था, लेकिन एक करोड़ में से आज एक भी पौधा नहीं दिख रहा है।

10 मोतियाबिंद और 1 मरीज का ग्लूकोमा का होगा ऑपरेशन

जिला अस्पताल के नेत्र शिविर में 56 मरीज ईलाज कराने आए

बड़वानी। सीएमएचओ डॉ सुरेखा जमरे और सिविल सर्जन डॉ अनिता सिंगारे के मार्गदर्शन में जिला अस्पताल और लायंस क्लब बड़वानी सिटी के संयुक्त तत्वावधान में चोइथराम नेत्र चिकित्सालय द्वारा आयोजित निरूशुल्क नेत्र शिविर में कुल 56 नेत्र मरीजों का परीक्षण किया गया। लायन महेश चन्द्र शर्मा ने बताया कि परीक्षण के बाद 10 मोतियाबिंद के और 1 मरीज में ग्लूकोमा पाया गया। 4 मरीजों में ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर अधिक होने से लैंस प्रत्यारोपण के लिए नहीं भेजा जा सका। 10 मरीजों को लैंस प्रत्यारोपण के लिए इंदौर चोईथराम अस्पताल भेजा ग तथा 1 मरीज का ग्लूकोमा का ऑपरेशन होगा। लायन सुधीर कुमार पांडे ने बताया कि जुलवानिया, चाचरिया, ठीकरी, निवाली, तथा धार जिले से 56 नेत्र मरीज ईलाज कराने आए थे। जिनका परीक्षण डॉ आशीष सेन, नेत्र सहायक अनिल राठौड़, रविंद्र टेकाम और जयनारायण कुशवाह ने किया। सिस्टर लक्ष्मी बेगा ने शिविर में ब्लड प्रेशर और लेब टैक्नीशियन मनोज भगोरे ने ब्लड शुगर की जांच की।

लायन सचिन शर्मा ने कहा कि सभी मरीजों और उनके साथ आए परिजनों को लायंस क्लब द्वारा निरूशुल्क भोजन कराया गया। नेत्र अस्पताल की ओर से निरूशुल्क लैंस प्रत्यारोपण करने के साथ साथ दवाईयां, चश्में भी निरूशुल्क दिए जाएंगे।

लायन कमलेश शर्मा ने अस्पताल स्टॉफ का आभार व्यक्त किया। आगामी नेत्र शिविर 9 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा।

रोटरी क्लब की प्रेरणा से गोपाल दादा का नेत्रदान

बड़वानी। जिले के समीप फत्यापुर के गोपाल काग के निधन पर बोरलाय के सुनील पाटीदार ने परिजनों से सहमति लेकर नेत्रदान की सूचना सामाजिक कार्यकर्ता अजित जैन को दी। जिस पर अजित जैन और डॉ चक्रेश पहाडिया किट लेकर निजी अस्पताल पहुंचे और नेत्रदान की प्रक्रिया सम्पन्न की। कॉर्निया निकालकर एमके इंटरनेशनल आई बैंक इंदौर पहुंचाया। रोटरी सचिव ललित जैन ने परिजनों से सहमति पत्र भराया।

ललित जैन ने बताया कि गोपाल दादा का दुर्घटना से अचानक देहांत होने के बाद भी दुरूख की घड़ी में पुत्र बद्रीलाल काग ने अपने पिता के नेत्रदान कराकर मानव सेवा माधव सेवा की मिसाल पेश की। अजित जैन ने बताया कि नेत्रदान में पूरी आंखें न निकालते हुए मात्र कॉर्निया निकाला जाता है, जिससे मृत शरीर को किसी भी प्रकार से कोई नुकसान नहीं पहुंचता है। रोटरी क्लब ने इस मानवीय कार्य के लिए परिवार का आभार व्यक्त किया। डॉ पहाड़िया ने बताया कि गुणवत्ता अच्छी रहती है, तो दो कॉर्निया से 4 लोगों को भी रोशनी मिल सकती है।

पुरानी रांझनों से विद्यार्थी पी रहे पानी

बड़वानी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 में पुरानी रांझनों से बच्चों को पानी पिलाया जा रहा है। रांझनों की साफसफाई तक नहीं हो पा रही हैं। जिसके कारण रांझनों पर काई जम गई है। गंदा पानी पीने से बच्चें कभी भी बीमार पड़ सकते हैं। शासन को चाहिए कि ऐसे सभी विद्यालयों में पुरानी रांझनों को हटाकर नई रांझन ने रखी जाए। जिससे कि बच्चों को साफ-स्वच्छ एवं ठंडा पानी पीने को मिल सके।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सर्टिफिकेट कोर्स की कक्षाएं संपन्ना

बड़वानी। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा आईआईटी दिल्ली के सहयोग से चलाए जा रहे सर्टिफिकेट कोर्स ए आई तथा फिंनटेक विथ ए आई की प्रथम बैच की कक्षाएं पूर्ण हो चुकी है। महाविद्यालय में कक्षाओं का संचालन प्राचार्या डॉ वीणा सत्य के निर्देशन में कंप्यूटर साइंस विभाग में हुआ। कोर्स के नोडल अधिकारी डॉ श्याम नाईक ने बताया कि समस्त कक्षाएं प्रो आदित्य शुक्ला और प्रो अमित कुशवाह की देख-रेख में हुई। कक्षाओं के पूर्ण होने पर फिंनटेक विथ ए आई के विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट का सबमिशन तथा मौखिक परीक्षा ऑनलाईन मोड पर आईआईटी दिल्ली द्वारा 26 मार्च 2025 को ली गई। ए आई के विद्यार्थियों की परीक्षा 1 से 5 अप्रैल को होना प्रस्तावित है। परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को आईआईटी दिल्ली द्वारा सर्टिफिकेट दिया जाएगा। छात्रों ने बताया कि इस कोर्स से उन्हें चौट जीपीटी, वॉइस असिस्टेंट, ब्लाकचौन, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, वित्तिय प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारियां मिली। आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों ने बताया कि प्राप्तांक के आधार पर आईआईटी द्वारा उन्हें अन्य अवसर भी दिए जाएंगे। आईआईटी दिल्ली के निर्देशानुसार महाविद्यालय में एक ए आई क्लब का भी गठन किया है, जो ए आई से संबंधित विभिन्न गतिविधियां संचालित करता है।

पोषण भी-पढ़ाई भी अभियान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण जारी

बड़वानी। महिला एवं बाल विकास परियोजना निवाली अंतर्गत जिले में पोषण भी-पढ़ाई भी अभियान के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों में कार्यरत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान की निगरानी और मूल्यांकन कलेक्टर गुंचा सनोबर द्वारा किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी रतन सिंह गुंडिया के निर्देशन में एवं परियोजना अधिकारी श्रीमती संगीता किराड़े के मार्गदर्शन में 3 दिवसीय प्रशिक्षण दो चरण में दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण रॉकेट लर्निंग संस्था द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के राज्य स्तरीय प्रशिक्षण मानकों के अनुरूप संचालित किया जा रहा है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सिखाया जा रहा है कि वे दिव्यांगता से जुड़े लक्षणों को प्रारंभिक अवस्था में पहचान सके। प्रशिक्षण की निगरानी और क्रियान्वयन प्रशिक्षण कार्यक्रम की गहन निगरानी संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी कर रहे हैं। संस्था के शैलेंद्र ठक्कर, हर्षिता राव शेलार और नरेंद्र प्रजापति द्वारा सभी प्रशिक्षण केंद्रों पर आवश्यक सहायता दी जा रही है। जिसमें मास्टर्स ट्रेनर्स के रूप मे श्रीमति शमिला सोलंकी, श्रीमति सुषमा अवाया, कांति आर्य, सुमन सूर्यवंशी द्वारा विस्तृत रूप से समझाईश दी गई। पोषण भी-पढ़ाई भी अभियान के माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों में नवजात और शिशु अवस्था से लेकर बाल्यावस्था तक के बच्चों के समग्र विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बाल विकास के वैज्ञानिक तरीकों से अवगत कराएगा, जिससे वे अपने केंद्रों में बच्चों के लिए एक बेहतर और प्रभावी सीखने का माहौल तैयार कर सकेंगी।

पीएमश्री शासकीय हाईस्कूल में छात्रों को दिया मार्गदर्शन

बड़वानी। शहर की पीएम श्री शासकीय हाईस्कूल में 25 से 29 मार्च तक करियर सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें शैक्षिक एवं मार्गदर्शक गतिविधियों का आयोजन हो रहा है। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराना और उन्हें करियर निर्माण में सहायता प्रदान करना है। इसी क्रम में बुधवार को यूनिसेफ करियर लेबिनार श्रृंखला का आयोजन हुआ। जिसमें छात्रों को करियर विकल्पों, आवश्यक कौशलों और संभावित अवसरों की विस्तृत जानकारी दी। विशेषज्ञों ने छात्रों का मार्गदर्शन दिया। विद्यालय परिवार और छात्रों ने आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम में शिक्षक योगेंद्र दीक्षित का भी सहयोग रहा। 3

त्यौहारों में शांति और सुरक्षा के लिए पुलिस सतर्क

बड़वानी। आगामी त्यौहारों गुड़ी पड़वा, ईद उल फित्र नवरात्रि, गणगौर, रामनवमी, हनुमान जयंती, महावीर जयंती और अंबेडकर जयंती को लेकर 27 मार्च को एसपी जगदीश डावर ने आसूचना संकलन करने वाले कर्मचारियों की मासिक बैठक पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागृह में ली। एसपी ने आगामी त्यौहारों के दौरान सुरक्षा के लिए विशेष सतर्कता बरतने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए।